भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2288 का उत्तर

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना

2288. श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:
श्री ज्ञानेश्वर पाटील:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चिह्नित स्टेशनों तथा आबंटित धनराशि का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) महाराष्ट्र राज्य सहित देश में सभी चिह्नित स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास के पूरा होने की समय-सीमा क्या है तथा चरणवार लक्ष्य क्या हैं;

(ग) क्या सरकार भविष्य में संभाजीनगर जिले में पात्र स्टेशनों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) उक्त योजना के कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है तथा योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के चयन के लिए क्या मानदंड हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): महाराष्ट्र राज्य के संभाजी नगर जिले में स्थित औरंगाबाद और रोटेगांव रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जाने के लिए चिन्हित किया गया है। इन स्टेशनों पर विकास संबंधी कार्यों के लिए निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और निर्माण कार्य शुरू हो गए हैं।

औरंगाबाद स्टेशन पर दोनों तरफ नए स्टेशन भवन, पार्सल भवन, जीआरपी/आरपीएफ भवन, विद्युत सब-स्टेशन, भूमिगत पानी की टंकी, सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र आदि का निर्माण कार्य शुरू हो गए हैं।

रोटेगांव स्टेशन पर स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, शौचालय, प्लेटफॉर्म सतह, रिटेनिंग वॉल का निर्माण आदि के सुधार कार्य शुरू हो गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन का सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों का चयन क्षेत्रीय रेलों से प्राप्त प्रस्तावों, प्रमुख शहरों और नगरों में स्थित स्टेशनों के आधार पर किया जाता है। अमृत भारत स्टेशन

योजना के तहत अब तक 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 132 स्टेशन महाराष्ट्र राज्य में स्थित हैं। महाराष्ट्र राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, औरंगाबाद, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चंदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (डीडीआर), दादर (डीआर), दहीसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हज़ूर साहिब नांदेड़, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, इतवारी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोल्हापुर, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी, कुर्ला, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड, मलकापुर, मनमाड, मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज, मुदखेड़, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर, नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़, नासिक रोड, उस्मानाबाद, पाचोरा, पालघर, पंढरपुर, पनवेल, परभणी, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव, पुणे जं., पूर्णा, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी,

		सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजी नगर पुणे, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/उन्नयन निरन्तर और सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों आवश्यकता के अनुसार किया जाता हैं, जो पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन है। कार्यों की स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों के विकास/उन्नयन को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार/क्षेत्र-वार। महाराष्ट्र राज्य चार जोनों अर्थात मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है। इन जोनों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 3,854 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) का आबंटन किया गया है तथा 2024-25 (जनवरी, 2025 तक) के दौरान 2,895 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए अग्नि संबंधी मंजूरी, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री

संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

****